

लॉर्ड डलहौजी (1812-1860)



- डलहौजी 1848-1856 तक भारत का गवर्नर जनरल रहा। इस दौरान उसने साम्राज्यवादी नीतियों के तहत ब्रिटिश साम्राज्य का अधिकतम विस्तार कर दिया।
- 1849 में पंजाब का विलय, 1852 में लोअर बर्मा तथा पेगू का अधिग्रहण, व्यपगत सिद्धांत के तहत सतारा, जैतपुर, संबलपुर, बघाट, उदयपुर, झाँसी, नागपुर का विलय; कुशासन के आधार पर 1856 में अवध का विलय।
- साम्राज्यवादी विस्तार के साथ-साथ प्रशासनिक सुधार के कार्य भी किये-
 - ◆ 1853 में बंबई एवं थाणे के बीच रेलवे का परिचालन।
 - ◆ 1854 में डाकघर अधिनियम पारित।
 - ◆ सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) की स्थापना जिसके तहत गंगा नहर तथा बारी दोआब नहरों का निर्माण किया गया।
 - ◆ बंगाल के लिये उप-गवर्नर के पद का सृजन।
 - ◆ 1854 में वुड डिस्पैच जिसे शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।
- पेशवा की पेंशन की समाप्ति।
- डलहौजी द्वारा किये गए साम्राज्य प्रसार के कारण जन असंतोष पैदा हुआ तथा उनके जाने के एक वर्ष पश्चात् 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह हो गया।

अन्य युद्ध तथा संधियाँ

आंग्ल-नेपाल युद्ध

- लॉर्ड हेस्टिंग्स ने सर्वप्रथम नेपाल राज्य के निवासी गोरखाओं से युद्ध किया। सीमावर्ती क्षेत्र होने के नाते इस प्रदेश का सामरिक महत्त्व अत्यधिक था।
- 1816 में गोरखाओं से बातचीत के माध्यम से 'सुगौली की संधि' हुई। जिसके तहत-
 - ◆ अंग्रेजों को गढ़वाल व कुमाऊँ के किले तथा तराई का अधिकांश भाग प्राप्त हुआ।
 - ◆ नेपाल ने सिक्किम राज्य से अपने समस्त अधिकार वापस ले लिये।
 - ◆ नेपाल की राजधानी काठमांडू में अंग्रेज रेजिडेंट तैनात की गई।

आंग्ल-बर्मा युद्ध

- पूर्वी सीमावर्ती क्षेत्र बर्मा को तीन युद्ध व संधियों के पश्चात् ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया-
 - ◆ प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध
 - 1822 में बर्मा ने मणिपुर और असम की तरफ जब अपना प्रसार शुरू किया तब उसकी सीमा ब्रिटिश भारत से जालगी।
 - कलकत्ता स्थित अंग्रेजों ने मणिपुर, असम और अराकान से भागे हुए विद्रोहियों को शरण दी।